चक्कर रोड से कॉलेज चौक तक सरपट हुई सड़क, तेजी से दौड़ रहे वाहन

नवभारत न्यूज

बैतूल, 15 जुलाई. शहर की अधिकांश सडके सरपट हो गई है। इन सडकों पर वाहनों की गति निर्धारित से अधिक होने के कारण आए दिन हादसे हो रहे है। जिन सडकों पर ब्रेकर थे, उन्हें भी महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के बैतूल दौरे से पहले हटा दिये गये थे, ताकि काफिले को किसी तरह के धक्के न लगें।

राष्ट्रपति के दौरे के लिए हटाये गये थे ब्रेकर

तोड़ने के बाद दोबारा नहीं बनाये ब्रेकर

इस दौरान शहर की सडकों से 16 स्पीड ब्रेकर हटवाए थे। अब राष्ट्रपति के दौरे को एक पखवाड़ा बीतने को है। फिर भी इन सडकों पर दोबारा स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए हैं। कोठी बाजार, चक्कर रोड से लेकर कोतवाली चौराहे तक और मोक्षधाम कोठी बाजार से लेकर हमलापुर तक रोजाना एक्सीडेंट हो रहे हैं, क्योंकि सड़क पर किसी तरह की रुकावट नहीं है। वाहन चालक अनियंत्रित रफ्तार से वाहन चला रहे हैं। सबसे ज्यादा खतरनाक हालात शहर से होकर गुजरने वाली सोनाघाटी से आमला बोरदेही तक बनी सीसी सडक के है। इस सडक पर वाहनों की गति को कंट्रोल करने के लिए कोई ब्रेकर नहीं है। खासकर कोतवाली चौक से कॉलेज के बीच के सभी ब्रेकरों को हटाने से वाहनों की गति बेलगाम हो गई है। वाहन चालक तेज गति से वाहन दौड़ा रहे है। जिससे आए दिन हादसे हो रहे है। पीडब्ल्यूडी की जिन सडकों से स्पीड ब्रेकर हटवाए हैं, उस पर तीन स्कूल पड़ते हैं। यहां स्पीड ब्रेकर जरूरी है। अभिभावकों का

कहना है कि इस रोड पर स्पीड ब्रेकर की आवश्यकता है। स्पीड ब्रेकर बनाते समय ध्यान रखा जाए। यह ऐसे न हों कि आम नागरिकों को परेशानी होने लगे।

स्कूल-कॉलेज के बच्चों करता है आना-जाना : सोनाघाटी से आमला टू-लेन सडक पर वन विभाग बैरियर के आगे प्राइमरी स्कूल चक्कर रोड पर पड़ता है। इसके बाद सुभाष हायर सेकंडरी स्कूल मोक्षधाम के सामने है। हमलापुर में प्राथमिक शाला भी पड़ती है। इसी सडक पर मोक्षधाम, कोठी बाजार, और साप्ताहिक बाजार भी है। स्कूल समय पर कोतवाली चौक और कॉलेज चौक पर बच्चों की भारी संख्या रहती है। ऐसे में इन स्थानों पर ब्रेकर की अनिवार्यता सबसे ज्यादा है, लेकिन कोतवाली चौक, कमानी गेट, हमलापुर रोड, मुर्गी चौक सहित कॉलेज चौक के पास बने ब्रेकर हटा दिये गये। इन स्थानों पर अब एक भी ब्रेकर नहीं है। हालांकि 2018 में सडक पर ट्रैफिक को देखते हुए सडक निर्माण के बाद इन ब्रेकरों को बनाया गया था। यह बात अलग है कि यह ब्रेकर बिना मापदंडों के बने थे। ये बिना पेंट के थे। इनकी ऊंचाई तय मानक से ज्यादा थी। कई जगह शिकायत के बाद भी ये नहीं हटे थे।

तय मापदंड के अनुसार नहीं थे ब्रेकर, लेकिन दुर्घटनाएं रोक रहे थे : भारत में सडकों पर बनाए जाने वाले स्पीड ब्रेकर के लिए आईआरसी ने कुछ स्पष्ट नियम और मानक तय किए हैं। अक्सर स्थानीय स्तर पर लोग बिना नियमों के ऊंचे या तीखे स्पीड ब्रेकर बना देते हैं। ये खतरनाक होते हैं। नियमानुसार स्पीड ब्रेकर की ऊंचाई 10 सेंटीमीटर और चौड़ाई 3.7 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए। इनका आकार वृत्ताकार या पैराबोलिक होना जरूरी है। स्पीड ब्रेकर दूर से ही ड्राइवर को साफ नजर आना चाहिए। इसके लिए स्पीड ब्रेकर पर सफेद और काली पट्टियां पेंट की जानी चाहिए।

> मेरी ज्वाइनिंग से पहले जिन सडकों से स्पीड ब्रेकर हटवाए थे, उनकी जानकारी ली जाएगी। वहां जरूरत वाली जगहों पर दोबारा स्पीड ब्रेकर लगवाए जाएंगे। इस संबंध में इंजीनियरों को हिदायत दी जाएगी।
>
> **- मनीष कुमार मरकाम, ईई, पीडब्ल्यूडी**

इन स्थानों पर खल रही ब्रेकर की कमी

राष्ट्रपति के दौरे के दौरान कोतवाली चौक, कमानी गेट, हमलापुर रोड, मुर्गी चौक और कॉलेज चौक सहित अन्य स्थानों से ब्रेकर हटाये गये थे। जबकि यातायात की दृष्टि से यह ब्रेकर महत्वपूर्ण थे। इन स्थानों पर हमेशा लोगों की भीड़ रहती है। ऐसे में अब बिना ब्रेकर की सड? पर वाहन चालक तेज गति से वाहन दौड़ाते है। बता दे कि शहर में आबादी बढ़ने के साथ ही वाहनों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। पिछले पांच सालों में वाहनों की संख्या दुगुनी तक बढ़ गई है। जिसके अनुपात में सडकों का चौड़ीकरण और आधुनिकीकरण तो किया गया, लेकिन सडकों पर पर्याप्त स्पीड ब्रेकर नहीं बनाए गए। जिससे चौक-चौराहों पर तेज गति में वाहन गुजरते समय दुर्घटना को अंदाज दे जाते है और पीड़ित को लंबे समय तक इसका खामियाजा चुकाना पड़ता है।

वाहनों की गति पर नहीं कंट्रोल

कोतवाली चौक से कॉलेज चौक तक सरपट सडक पर अब वाहनों की गति को कंट्रोल करने के लिए कोई ब्रेकर नहीं है। ऐसे में वाहन चालक कोतवाली चौक से कॉलेज चौक तक तेज गति से वाहन दौड़ाते है। जिससे आए दिन हादसे होते है। बता दे कि कमानी गेट पर प्रति गुरूवार और रविवार को साप्ताहिक बाजार लगता है। इस दिन भी वाहनों की गति तेज रहती है और कमानी गेट पर वाहनों के टकराने की घटनाएं बढ़ रही है। स्पीड ब्रेकरों का अभाव शहर के मुख्य मार्ग पर ही नहीं कालोनियों की सडके भी है। इससे गलियों में भी दुर्घटनाएं होते रहती है। लेकिन शहर की मुख्य सडक और भीड़ वाले क्षेत्रों में दोबारा स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए जिम्मेदार विभाग ने कोई पहल नहीं की है।

एक नजर में

ताप्ती जन्मोत्सव में तेज आवाज में ना बजाएं डीजे

मुलताई। पवित्र नगरी में आषाढ़ मास की शुक्ल सप्तमी पर मनाए जाने वाले मां ताप्ती जन्मोत्सव को देखते हुए बुधवार को टीआई द्वारा डीजे संचालजो की बैठक लेकर जन्मोत्सव के दौरान निर्धारित मापदंड बेस पर डीजे बजाने के निर्देश दिए है। गौरतलब है ताप्ती जन्मोत्सव पर प्रति वर्ष कुछ डीजे संचालको द्वारा बैठको में लिए गए निर्देशों का पालन नही किया जाता है। जिसके चलते बुधवार को टीआई विकास पटेल ने निर्देश दिए है की जन्मोत्सव के दौरान निर्धारित बेस पर ही डीजे बजाए। निर्धारित रूट से ही डीजे निकाले। डीजे बजाना और अश्लील या आपत्तिजनक गाने चलाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। थाना प्रभारी ने सख्त हिदायत दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले डीजे संचालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नगर सहित ग्रामों में चलाया सफाई अभियान

मुलताई। सूर्य पुत्री मां ताप्ती तीर्थ क्षेत्र न्यास द्वारा नगर सहित आसपास के 125 ग्रामो में मां ताप्ती जन्मोत्सव पर साप्ताहिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। जिसके चलते दूसरे दिन बुधवार को नगर सहित आसपास के करीब 125 ग्रामो में एक साथ स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान सदस्यों द्वारा नगर में ताप्ती तट सहित ग्रामो में मंदिरो एवं स्कूलों के आसपास सफाई की गई। स्वयंसेवकों ने झाड़ू लगाकर कचरा एकत्र किया।नगर में नगर पालिका अध्यक्ष नीतू परमार ने सफाईकर्मियों का पुष्पवर्षा कर सम्मान किया। उन्होंने कहा कि सफाईकर्मी पूरे वर्ष निस्वार्थ भाव से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उनका सम्मान करना समाज का दायित्व है। सूर्यपुत्री मां ताप्ती तीर्थ क्षेत्र न्यास के डॉ राजेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया मां ताप्ती जन्मोत्सव के अंतर्गत पूरे सप्ताह विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और जन जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। गुरुवार को नगर में मेघनाथ मंदिर सहित ग्रामो में गौ पूजन,गौरक्षा का संकल्प एवं संगोष्टी का आयोजन किया जाएगा। उन्होने सभी लोगो से कार्यक्रम में शामिल होने का अनुरोध किया है।

पुल नहीं बना तो चुनाव में नोटा दबाकर विरोध जताएंगे ग्रामीण

बैतूल। भीमपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत धामन्या में ताप्ती नदी पर पुल निर्माण की वर्षों पुरानी मांग अब जन आंदोलन का स्वरूप लेने लगी है। आजादी के दशकों बाद भी पुल के अभाव में विकास की मुख्यधारा से कटे 40 से 50 गांवों के हजारों ग्रामीणों का धैर्य अब जवाब दे चुका है। मंगलवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण जनसुनवाई में कलेक्ट्रेट पहुंचे और ज्ञापन सौंपते हुए स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि इस बार पुल निर्माण को स्वीकृति नहीं मिली तो वे लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे और आगामी विधानसभा व लोकसभा चुनाव में नोटा का बटन

दबाकर अपना विरोध दर्ज कराएंगे।

ग्रामीणों ने बताया कि धामन्या और मुख्य मार्ग चुनालोहमा के बीच ताप्ती नदी पर पुल नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात के दौरान करीब छह माह तक आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। इसका सीधा असर क्षेत्र के 40 से 50 गांवों पर पड़ता है, जो जिला मुख्यालय, अस्पताल, कृषि मंडी, कॉलेज और अन्य जरूरी सेवाओं से कट जाते हैं। विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है, किसानों को अपनी उपज बेचने में परेशानी आती है और गंभीर मरीजों को समय पर उपचार नहीं मिलने से उनकी जान तक खतरे में पड़ जाती है। ग्रामीणों ने ज्ञापन में बताया कि पूरे क्षेत्र की एकमात्र बैंक शाखा चुनालोहमा में है, जो ताप्ती नदी के दूसरी ओर स्थित है। पुल नहीं होने से लोगों को बैंकिंग कार्यों के लिए उफनती नदी पार कर अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है। ग्रामीणों का कहना है कि नदी पार करते समय कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं, लेकिन वर्षों से इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों ने प्रशासन को स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब केवल आश्वासन नहीं, जमीन पर पुल चाहिए।

एक पखवाड़े तक चलेगा नशा मुक्ति अभियान

सारनी। पुलिस विभाग ने नशा मुक्ति अभियान की शुरुआत की है। यह अभियान एक पखवाड़े तक चलेगा। इस अभियान के जरिये सभी लोगो को नशा करने से होने वाले दुष्परिणाम प्रति जागरूक किया जायेगा। टीआई जयपाल इवनाती ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक वीरेन्द जैन के निर्देशन में 15 से 30 जुलाई तक नशा मुक्ति अभियान जिले भर के सभी विद्यालयों, कॉलेज, सार्वजनिक स्थलों एवं विभिन्न संस्थानों में जागरूकता रैली, शपथ ग्रहण, व्याख्यान, प्रतियोगिताएँ, नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद तथा अन्य जनजागरूकता कार्यक्रम

आयोजित किए जाएंगे। बुधवार को थाना परिसर में पीएलएस स्कूल के बच्चो को नशा मुक्ति अभियान की जानकारी दी। टीआई श्री इवनाती ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस अभियान में सहभागी बनकर नशे से दूर रहने के संदेश को जन-जन तक पहुँचाए तथा नशा-मुक्त बैतूल एवं नशा-मुक्त मध्यप्रदेश के निर्माण में अपना सक्रिय योगदान दें। उन्होंने कहा कि अंतर्गत नशा मुक्ति अभियान का शुभारंभ पीएलएस स्कूल के बच्चो के साथ किया गया, जिसमें थाना स्टाफ एवं विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

गौवंश का अवैध वध करने वाला आरोपी गिरफ्तार

पाथाखेड़ा। सारनी पुलिस ने गौवंश का अवैध वध करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से महत्वपूर्ण साक्ष्य एवं घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 14 जुलाई 2026 को वार्ड क्रमांक-01 पाटाखेड़ा निवासी अखिलेश कामड़े ने थाना सारनी में शिकायत दर्ज कराई थी कि सुभाष बिंझाडे द्वारा अपने घर के पीछे अवैध रूप से गौवंश का वध किया गया है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम, 2004 की धारा 4 एवं 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस अधीक्षक वीरेन्द्र जैन के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश खरपुसे एवं एसडीओपी प्रियंका करचाम के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी निरीक्षक जयपाल इनवाती के नेतृत्व में गठित टीम ने आरोपी सुभाष पिता गल्लू बिंझाडे (48) निवासी शनि मंदिर के पास, पाटाखेड़ा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से गाय के बछड़े की खाल, जबड़ा तथा घटना में प्रयुक्त धारदार लोहे की छुरी बरामद कर जप्त की गई। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर आगे की वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

अवैध गर्भपात करने वाली महिला डॉक्टर गिरफ्तार

मुलताई। नाबालिग से दुष्कर्म के बाद गर्भवती होने पर अवैध गर्भपात करने के मामले में पांडूरना की महिला डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया है। टीआई विकास पटेल ने बताया बीते 17 जून 2026 को थाना मुलताई में एक महिला द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसके गांव के निवासी मोनू साहू पिता पुरुषोत्तम साहू ने पिछले लगभग छह माह से उसकी नाबालिग बेटी के साथ घर एवं पशु बांधने के स्थान पर कई बार जबरन दुष्कर्म किया तथा घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी दी। घटना के परिणामस्वरूप नाबालिग गर्भवती हो गई। तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे उपचार हेतु पहले छिंदवाड़ा और बाद में नागपुर ले गए, जहां चिकित्सकीय परीक्षण में पता चला कि उसका गर्भपात कराया गया है। गर्भपात के बाद उसकी हालत अत्यंत गंभीर हो गई और उसे नागपुर के आईसीयू में भर्ती करना पड़ा। शिकायत पर पुलिस द्वारा भारतीय न्याय संहिता एवं पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुख्य आरोपी मोनू साहू को पूर्व में दिनांक 22 जून 2026 को गिरफ्तार करन्यायालय मुलताई में प्रस्तुत कर जेल भेजा जा चुका है। जांच में सामने आया कि पांढुर्णा निवासी डॉक्टर चेतना चरपे पति आकाश कराले, उम्र 31 वर्ष ने अपने बिना पंजीकृत क्लीनिक में नाबालिग पीड़िता का अवैध रूप से गर्भपात किया। आरोपी डॉक्टर ने चिकित्सकीय नियमों एवं कानूनी प्रावधानों की जानकारी होने के बावजूद घटना की सूचना पुलिस को नहीं दी तथा गर्भपात से प्राप्त भ्रूण को साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखने के बजाय नष्ट कर दिया। वहीं मुख्य आरोपी के भाई गजेंद्र उर्फ सोनू साहू के कहने पर 14-15 जून 2026 की रात्रि पीड़िता को अपने क्लीनिक में अवैध रूप से रखकर उसका उपचार किया गया, जिससे पीड़िता के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा उत्पन्न हुआ।

मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता 7 अगस्त को

बैतूल। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड जिला प्रशासन, जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद व स्कूल शिक्षा विभाग बैतूल, मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम भोपाल के सहयोग से जिले में मध्यप्रदेश पर्यटन क्विज प्रतियोगिता- 2026 का आयोजन 7 अगस्त को दो चरणों में किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश के समृद्धशाली इतिहास, परम्पराओं ऐतिहासिक व सांस्कृतिक धरोहर व पर्यटन के विस्तृत क्षेत्र से छात्र, छात्राओं को परिचित कराना है। जिले में प्रतियोगिता का आयोजन कलेक्टर एवं अति मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के मार्गदर्शन में होगा। प्रतियोगिता में बैतूल जिले के शासकीय व अशासकीय विद्यालयों के कक्षा 9 वीं से 12 वीं तक अध्ययनरत 3 सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थियों का दल भाग लेगा। पंजीयन का उत्तरदायित्व संस्था प्राचार्य का होगा। प्रत्येक दल मे तीन सदस्यों का होना अनिवार्य है। इसके लिए संकुल प्राचार्य व प्राचार्य सहित विकासखंड शिक्षा अधिकारी को दल सम्मिलित कराए जाने निर्देशित किया गया है।

सड़कों पर खड़े ट्रक बने मुसीबत का सबब

बैतूल। शहर में अभी थोड़ी ही बारिश में सडकों की पोल खुल गई। जिससे वैसे ही सडक पर चलना दुर्भर हो गया है, ऐसे में सडकों पर खड़े ट्रक मुसीबत का कारण बन रहें हैं। गंज मस्जिद से बाबू चौक तक कई ट्रकों को खड़ा देखा जा सकता है जो दोपहर भर खड़े रहते हैं और लोडिंग-अनलोडिंग करते रहते हैं। इस संबंध में स्थानीय निवासी विजय यादव ने बताया कि ट्रकों के खड़े रहने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। प्रतीक खंडेलवाल ने बताया कि ट्रक इस तरह खड़े कर दिए जाते हैं कि यहां के स्थानीय निवासी अपने स्वयं के वाहन

बाहर नहीं निकाल पाते हैं। अर्पित भार्गव ने बताया कि इस जगह पर अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है और ट्रक चालक तेज हॉर्न बजाते हैं। दीपक शास्त्री ने बताया कि पुराना प्राथमिक स्कूल तोडकर यहां यहां सब्जी बाजार शिफ्ट हो गया है बाजार में महिलाएं भी आती हैं ऐसे में उनकों आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। देखने में आता है कि इन ट्रकों के कारण छोटी-मोटी दुर्घटनाएं आए दिन होती रहती है। उन्होने कई बार नपा को इस विषय से अवगत कराया परन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गई।

खाद की कालाबाजारी और ई-टोकन पर किसान संघ का विरोध

बैतूल। बडोरा मंडी में भारतीय किसान संघ, मध्य भारत प्रांत की जिला इकाई ने किसानों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन सौंपा।

संगठन ने समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी, खाद की कालाबाजारी, उर्वरक वितरण व्यवस्था और वर्ष 2025 की खराब खरीफ फसल से जुड़े लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर किसान संघ अनिश्चितकालीन धरना-आंदोलन करने के लिए

बाध्य होगा।

भारतीय किसान संघ ने ज्ञापन में कहा कि संगठन किसानों का, किसानों द्वारा और किसानों के लिए संचालित एक गैर-राजनीतिक राष्ट्रवादी संगठन है, जो समय-समय पर किसानों की समस्याओं से शासन-प्रशासन को अवगत कराता रहा है। वर्तमान में किसानों के सामने कई गंभीर समस्याएं हैं, जिनका तत्काल समाधान आवश्यक है। ज्ञापन में मांग की गई है कि ग्रीष्मकालीन मूंग की खरीदी समर्थन मूल्य पर शत-प्रतिशत की जाए अथवा वर्ष 2025 की तरह वर्ष 2026 में भी 12 क्विंटल प्रति हेक्टेयर के मान से खरीदी शुरू की जाए। इसके साथ ही खाद की कालाबाजारी पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने और किसानों को पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने की मांग भी की गई। किसान संघ ने ई-टोकन प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण में एसएसपी और डीएपी खरीदने की अनिवार्यता समाप्त करने की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक उपलब्ध कराया जाए तथा प्रत्येक विकासखंड में मांग के अनुरूप पर्याप्त खाद की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का जिले में शुभारंभ

पुलिस परेड ग्राउंड से निकली जागरुकता रैली, नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

बैतूल। जिले में नशे के खिलाफ व्यापक जनजागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 का औपचारिक शुभारंभ 15 जुलाई को पुलिस परेड ग्राउंड से किया गया। इस अवसर पर यहां से जागरूकता रैली एवं ड्रग अवेयरनेस रन का आयोजन किया गया। पुलिस अधिक वीरेंद्र जैन ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली प्रमुख मार्गो से होते वापस पुलिस ग्राउंड पहुंची। इस दौरान सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री जैन ने कहा कि नशा व्यक्ति को ही नहीं पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को नशे जैसी बुराई से दूर रहकर अपनी ऊर्जा

शिक्षा, खेल और सकारात्मक कार्यों में लगानी चाहिए। एसपी श्री जैन ने बताया कि 15 जुलाई से 30 जुलाई तक जिलेभर में प्रतिदिन जागरूकता रैलियां, पंपलेट वितरण, नुक्कड़ सभाएं, बैनर-पोस्टर, शॉर्ट फिल्म प्रदर्शन और अन्य जनसंपर्क गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही नशे के चिन्हित स्थलों पर पहुंचकर लोगों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा तथा युवाओं और अभिभावकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जाएगा। अभियान के शुभारंभ एडिशनल एसपी कमलेश कुमार खरपुसे, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग सुश्री रोशनी वर्मा, एसडीओपी बैतूल अन्नपूर्णा सिरसाम, डीएसपी शेफा हाशमी सहित अन्य विभागीय अधिकारी, पुलिसकर्मी, स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थी, खिलाड़ी उपस्थित रहे। नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत खेल एवं युवा कल्याण विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, नगर पालिका सहित अन्य विभाग, स्वयंसेवी संस्थाएं एनजीओ एवं ग्राम रक्षा समितियां 30 जुलाई तक नशे के विरुद्ध जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित करेगी। अभियान के तहत 16 जुलाई को स्कूल-कॉलेजों में रील, शॉर्ट फिल्म सहित जनजागरूकता कार्यक्रम एवं शपथ का आयोजन होगा। वहीं 17 जुलाई को व्याख्यान, लघु फिल्म प्रदर्शन तथा स्कूलों के आसपास तंबाकू-सिगरेट की गुमठियां नहीं होने का सत्यापन किया जाएगा। साथ ही 18 जुलाई को झुग्गी-झोपड़ी एवं चिन्हित क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम, नशा पीड़ितों और उनके परिजनों को पुनर्वास केंद्रों की जानकारी तथा चिकित्सीय परामर्श दिया जाएगा तथा 19 जुलाई को ऑटो एवं शासकीय वाहनों पर पोस्टर, नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक किया जाएगा। 20 जुलाई को मानव श्रृंखला बनाकर जनजागरूकता कार्यक्रम होगा तथा 21 जुलाई को चित्रकला, एवं पोस्टर प्रतियोगिता, अभिभावकों की सहभागिता होगी।

नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन खेल शिविर प्रारंभ

सारनी। बच्चों को मिलेगा खेल कौशल का प्रशिक्षण,खेल एवं युवक कल्याण विभाग बैतूल के मार्गदर्शन एवं उत्कल स्पोर्ट्स क्लब सारणी के सहयोग से प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी हाईस्कूल फुटबॉल ग्राउंड सारनी में नि:शुल्क ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का शुभारंभ किया गया। शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के बच्चों एवं युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनकी खेल प्रतिभा को निखारना है। ग्रीष्मकालीन खेल शिविर के कोच एवं प्रशिक्षक रंजीत डोंगरे तथा रामा पवार ने बताया कि विगत कई वर्षों से शासन की खेल प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत हाईस्कूल फुटबॉल ग्राउंड सारणी में नि:शुल्क खेल प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शिविर में फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, खो-खो सहित विभिन्न खेलों के नियम, तकनीकी बारीकियां, कौशल विकास एवं खेल रणनीतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों एवं खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना है, जिससे वे अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना एवं प्रतिस्पर्धात्मक सोच विकसित कर सकें। खेल गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।जिला खेल अधिकारी पूजा कुरील एवं घोड़ाडोंगरी ब्लॉक समन्वयक शैलेन्द्र शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल शिविर में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का ऑनलाइन पंजीयन प्रारंभ कर दिया गया है। शिविर में 6 वर्ष से 25 वर्ष आयु वर्ग तक के बच्चे एवं खिलाड़ी भाग ले सकते हैं तथा वे सुबह एवं शाम आयोजित होने वाले प्रशिक्षण सत्रों में शामिल होकर विभिन्न खेलों का अभ्यास कर सकेंगे। खेल एवं युवक कल्याण विभाग तथा उत्कल स्पोर्ट्स क्लब ने सारणी नगर के खिलाड़ियों, बच्चों एवं अभिभावकों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर अपने बच्चों का पंजीयन कराने और खेल प्रशिक्षण का लाभ उठाने की अपील की है। आयोजकों का मानना है कि इस प्रकार के शिविर क्षेत्र में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के साथ-साथ भविष्य के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।